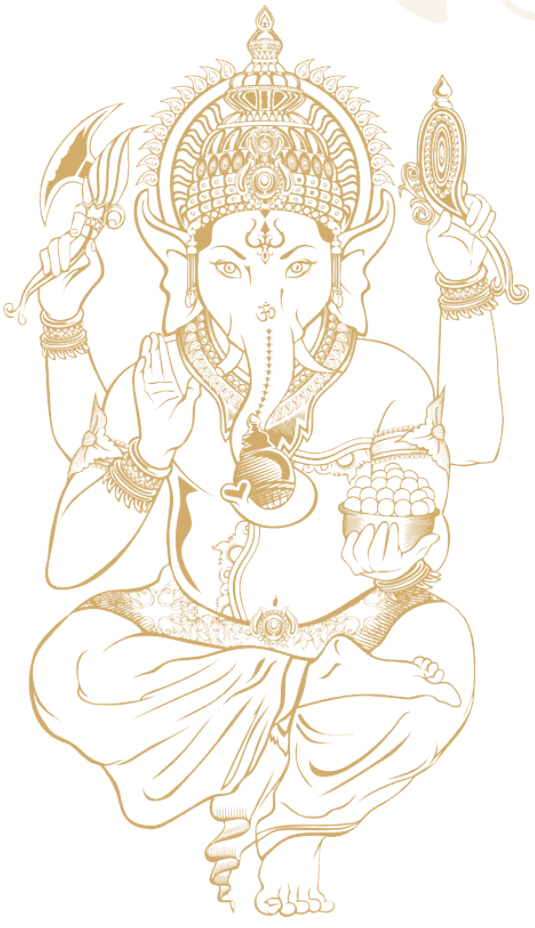

Tushar

Vibhooti Sharma

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121953302

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
09/11/1996	जन्म तिथि	12/09/1998
शनिवार	दिन	शनिवार
घंटे 12:10:00	जन्म समय	18:40:00 घंटे
घटी 13:50:54	जन्म समय(घटी)	31:14:02 घटी
India	देश	India
Jhalawar	स्थान	Kota
24:36:00 उत्तर	अक्षांश	25:11:00 उत्तर
76:09:00 पूर्व	रेखांश	75:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:25:24	स्थानिक संस्कार	-00:26:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:37:38	सूर्योदय	06:10:53
17:40:49	सूर्यास्त	18:33:42
23:48:47	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:11

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 3वर्ष 5मा 27दि		09:27:57	मक	लग्न	कुंभ	29:03:40	चन्द्र 3वर्ष 4मा 14दि	
गुरु		23:19:51	तुला	सूर्य	सिंह	25:44:02	राहु	
08/05/2018		00:00:49	तुला	चंद्र	वृष	18:50:10	26/01/2009	
08/05/2034		11:37:46	सिंह	मंगल	कर्क	20:39:21	26/01/2027	
गुरु	25/06/2020	27:42:23	तुला	बुध	सिंह	14:01:36	राहु	09/10/2011
शनि	07/01/2023	20:22:15	धनु	गुरु व	कुंभ	29:41:41	गुरु	04/03/2014
बुध	14/04/2025	19:15:51	कन्या	शुक्र	सिंह	13:15:55	शनि	08/01/2017
केतु	21/03/2026	07:18:37	मीन व	शनि व	मेष	09:08:01	बुध	28/07/2019
शुक्र	19/11/2028	13:44:26	कन्या व	राहु व	सिंह	07:31:05	केतु	15/08/2020
सूर्य	07/09/2029	13:44:26	मीन व	केतु व	कुंभ	07:31:05	शुक्र	15/08/2023
चन्द्र	07/01/2031	07:12:58	मक	हर्ष व	मक	15:29:45	सूर्य	09/07/2024
मंगल	14/12/2031	01:28:38	मक	नेप व	मक	05:46:21	चन्द्र	08/01/2026
राहु	08/05/2034	08:33:52	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	11:39:57	मंगल	26/01/2027

लग्न-चलित

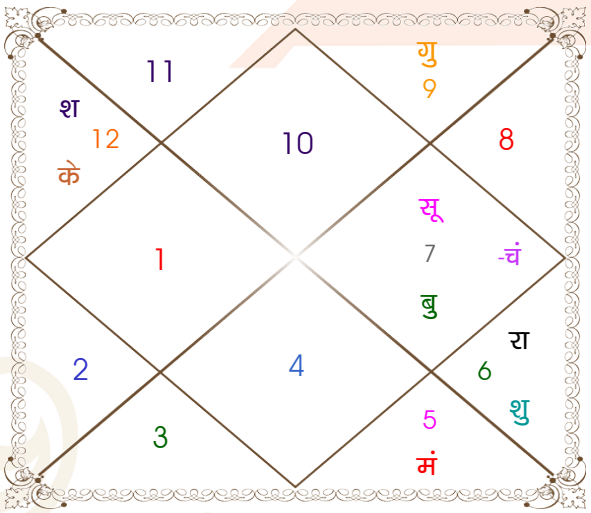

लग्न-चलित

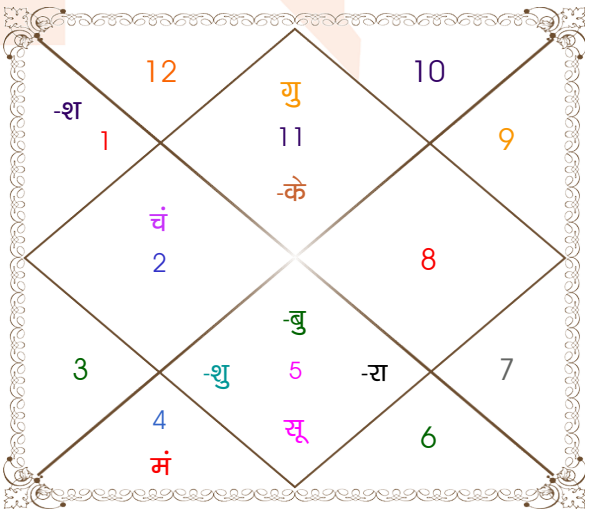

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	तुला	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

ज्नींत का वर्ग मृग है तथा टपइीववजपौंतउं का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ज्नींत और टपइीववजपौंतउं का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

ज्नींत मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

टपइीववजपौंतउं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि टपइीववजपौंतउं कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ज्नींत तथा टपइीववजपौंतउं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।